भारत सरकार
विदेश मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **- 1063**
दिनांक **24.07.2026** को उत्तर दिए जाने के लिए

अमेरिका-ईरान संघर्ष पर भारत की नीति

1063. श्री धर्मेन्द्र यादवः

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल के अमरीका-ईरान संघर्ष/तनाव के दौरान भारत की विदेश नीति और राजनयिक रुख का कोई आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो उक्त अवधि के दौरान संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अन्य अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत द्वारा अपनाए गए राजनयिक रुख का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस अवधि के दौरान भारत-ईरान और भारत-संयुक्त राज्य अमरीका के संबंधों पर कोई प्रभाव पड़ा है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा भविष्य में इस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों के दौरान एक संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

[श्री कीर्तवर्धन सिंह**]**

(क**)** से **(**ङ**)** सरकार उन सभी भू-राजनीतिक घटनाओं पर बारीकी से नजर रखती है**,** जिनका भारत के राष्ट्रीय हितों पर असर पड़ता है तथा द्विपक्षीय**,** क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर भारत के हितों की रक्षा के लिए उचित उत्तर देती है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और संबंधित घटनाक्रम भारत के लिए अत्यंत चिंता का विषय है। संघर्ष की शुरुआत से**,** भारत संघर्ष के पक्षकारों**,** जिनमें अमेरिका और ईरान शामिल हैं**,** तथा अन्य

क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वार्ताकारों के साथ निकट संपर्क में रहा है। भारत-अमेरिका और भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंध सभी स्तरों पर सतत जुड़ाव द्वारा निर्देशित होते हैं।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में इस मामले पर एक सुविचारित और सूक्ष्म रुख अपनाया है, जिसका उद्देश्य देश में ईंधन और ऊर्जा सुरक्षा तथा व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना है।

भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि संघर्ष का शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान निकालने के लिए बातचीत और राजनय का पालन किया जाना चाहिए। भारत ने शत्रुता को तत्काल रोकने और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से निर्बाध नौवहन की स्वतंत्रता तथा ऊर्जा और वाणिज्य के सुरक्षित प्रवाह को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है।

*****